हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 22 दिसंबर 2025

तापमान

अधिकतम 20 .8 डिग्री
न्यूनतम 5 .2 डिग्री

9 बाबा रती नाथ ने जगाई थी शिक्षा की अलख ...

10 भारत को आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक ...

शहर में आज

- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।

खबर संक्षेप

झूठी शिकायत पर महिला के खिलाफ कार्रवाई

रोहतक। थाना शिवाजी कॉलोनी पुलिस ने एक महिला द्वारा झूठी शिकायत देने पर महिला के खिलाफ 217 बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। शिवाजी कॉलोनी एरिया निवासी महिला ने शिकायत दी। शिकायत के अनुसार महिला का पति दिल्ली मे जॉब करता है। महिला की दो लड़की है। महिला के पडोस में रहने वाले पडोसी के साथ करीब 5 साल पहले बोलचाल शुरु हुई। युवक दुधिया का काम करता था। महिला की शिकायत के अनुसार युवक ने महिला के साथ जबरदस्ती शारिरिक संबंध बनाये व लिव इन रिलेशनशिप में रहने के कागजात तैयार करवाए।

बच्चों से बाल मजदूरी करवाने पर केस दर्ज

रोहतक। बच्चों से बाल मजदूरी करवाने के मामले में शिवाजी कालोनी थाने में एफआईआर दर्ज की गई हैं। एमडीडी ऑफ इण्डिया संस्था के वीएसी विकास ने देखा कि नई सब्जी मंडी में दो बच्चों से बाल मजदूरी करवाई जा रही है। राज्य अपराध शाखा की मानव तस्करी रोधी इकाई के इंचार्ज रवि मलिक ने रेड कर बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त करवाया। बच्चों से भारी वजन के बड़े-बड़े कट्टे ट्रक से उतरवाए जा रहे थे। इंचार्ज रवि मलिक, ईएचसी अरूण कुमार, एमडीडी ऑफ इण्डिया संस्था के विकास के साथ बच्चों को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि दोनों बच्चे उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं और दोनों की उम्र 14 साल थी।

12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए दिशा-निर्देश जारी

रोहतक। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने सत्र 2025–26 में आयोजित होने वाली कक्षा 12वीं की शारीरिक शिक्षा सहित सभी विषयों की प्रायोगिक एवं प्रोजेक्ट परीक्षाओं को लेकर विस्तृत नियम, दिशा-निर्देश और समय-सारिणी जारी कर दी है। बोर्ड के अनुसार सभी विषयों के लिए अनुभवी शिक्षकों को बाह्य प्रायोगिक परीक्षक नियुक्त किया गया है, जिनका चयन शैक्षणिक योग्यता, विषय विशेषज्ञता और अनुभव के आधार पर किया गया है।

रोहित धनखड़ हत्याकांड : 11 सदस्यीय कमेटी सीएम से आज करेगी मुलाकात

सभी आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर मां ने दी आत्मदाह की धमकी

हुमायूंपुर निवासी रोहित की मां संतोष ने जारी किया वीडियो

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नेशनल खिलाड़ी बाडी बिल्डर रोहित धनखड़ की हत्या का मामला गरमाया हुआ है। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी अब तक न होने पर हुमायूंपुर निवासी रोहित की मां संतोष और परिजनों ने प्रशासन के प्रति कड़ा विरोध जताते हुए चेतावनी दी है कि यदि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो आत्मदाह करने को मजबूर होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि हत्याकांड में 20 से 22 लोग थे, केवल चार आरोपी पकड़े गए हैं। आरोप है कि इनमें फौजी, पुलिस कर्मी का बेटा और मास्टर भी शामिल हैं। लेकिन अधिकारी केवल आश्वासन दे रहे हैं। उन्होंने अपने बेटे को कपड़ों की सिलाई करके बड़ी मुश्कित से पाला था। उन्होंने सवाल किया कि आगे कोई किसी बहन की ईज्जत की रक्षा करेगा अगर उसे न्याय ही नहीं मिलेगा तो, उन्होंने कहा कि उनके बेटे ने कोई गलत काम नहीं किया था। उन्होंने पूरे बयान की वीडियो जारी की है। इस चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन में हलचल तेज हो गई है और मामले को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का भरोसा दिया जा रहा है।

रोहतक। रोहित धनखड़ की मां अपनी बात रखती हुईं।

डीजीपी के हस्तक्षेप के बाद चार गिरफ्तार

डीजीपी ओपी सिंह ने इस मामले में परिवार को तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया था। इसके बाद रोहतक रेंज आईजी पीड़ित परिवार से मिलने गांव भी गए थे। भिवानी पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। भिवानी पुलिस का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर जांच आगे बढ़ रही है। अधिकारियों के अनुसार कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं और जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और जांच में सहयोग करने की अपील की है। फिलहाल, रोहित धनखड़ का परिवार न्याय की उम्मीद लगाए प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार कर रहा है।

27 नवंबर की रात रास्ता रोककर हत्या

जानकारी के अनुसार, मामला 27 नवंबर की रात का है। रोहतक के हुमायुपर निवासी करीब 26 वर्षीय नेशनल खिलाड़ी बाडी बिल्डर रोहित धनखड़ अपने एक दोस्त चरखी दादरी के बौंदकला वासी जतिन के साथ भिवानी के गांव रेवाड़ी खेड़ा में शादी समारोह में शामिल होने के लिए आया था। यहां कुछ युवक लड़कियों को परेशान कर रहे थे। रोहित और उसके दोस्तों ने इस बात का विरोध किया। इसके बाद रोहित और उसके दोस्त को रास्ते में रोक लिया गया। रोहित को ज्यादा चोटें मार दी गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की तो महापंचायत का आयोजन किया गया। इस मामले में डीजीपी सहित अन्य अधिकारियों से मुलाकात की गई। लेकिन अधिकतर आरोपी बाहर ही हैं। परिजनों का आरोप है कि हत्या में शामिल कई आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे उन्हें न्याय मिलने में देरी हो रही है। अगर दोषियों को सजा दिलाने में ढिलाई बरती गई तो वह चुप नहीं बैठेंगी। परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामला चलाया जाए।

कमेटी के सदस्य चंडीगढ़ पहुंचे

रोहित धनखड़ को न्याय दिलाने के लिए रोहतक के जाट भवन में महापंचायत बुलाई गई थी। जहां सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की गई थी। इस दौरान 11 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था, जो आगे की कार्रवाई की पैरवी करेगी। कमेटी के सदस्य रविवार को चंडीगढ़ पहुंच गए हैं। सुबह सीएम नायब सिंह सैनी के सामने अपनी बात रखेंगे और सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करेंगे।

तापमान गिरने से ठिठुरन बढ़ी, जन जीवन हो रहा प्रभावित

कोहरे की चादर में लिपटा शहर, धूप के बावजूद ठंड से नहीं मिली राहत

पुलिस ने चालकों को सावधानी बरतने की दी सलाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर और आसपास के इलाकों में सर्दी ने अपना असर और तेज कर दिया है। बीते कुछ दिनों से कोहरे के साथ ठंड बढ़ने का सिलसिला जारी है। हालात ऐसे हैं कि कोहरा छंटने के बाद भी सर्दी कम होने का नाम नहीं ले रही। रविवार को सुबह के समय हल्की धूप जरूर निकली, लेकिन वह ठंड से राहत दिलाने में नाकाम रही। दिनभर वातावरण में ठिठुरन बनी रही और लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए। वहीं, पुलिस ने चालकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। सुबह और शाम के समय घना कोहरा लोगों की परेशानी का कारण बना। खासतौर पर आउटर इलाकों में कोहरे का असर ज्यादा देखने को मिला। यहां कोहरा इतना घना था कि दृश्यता मात्र 50 मीटर तक सिमट गई। कम विजिबिलिटी के चलते सड़कों पर चलने वाले वाहनों को रेंग-रेंग कर चलना पड़ा। कई स्थानों पर वाहन चालकों को 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ही गाड़ी चलानी पड़ी। कोहरे और ठंड के कारण आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। सुबह-सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों और दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ठंडी हवाओं और कम तापमान के चलते लोग जल्दी घरों से बाहर निकलने से बचते नजर आए। बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भी सुबह के समय सन्नाटा पसरा रहा। रविवार को निकली हल्की धूप से लोगों को थोड़ी उम्मीद जरूर जगी थी, लेकिन धूप में दम नहीं था।

गोयल क्रिकेट क्लब ने विश्वकर्मा क्रिकेट अकादमी को 6 विकेट से हराया

रोहतक। विश्वकर्मा क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए 40 ओवरों के मुकाबले में गोयल क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वकर्मा क्रिकेट अकादमी को 6 विकेट से पराजित कर दिया। टॉस जीतकर विश्वकर्मा क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए विश्वकर्मा क्रिकेट अकादमी ने 40 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 208 रन बनाए। टीम की शुरुआत सामान्य रही। आदित्य मल्होत्रा ने 60 गेंदों पर 36 रन बनाए, जबकि स्वास्तिक डांगी ने 52 गेंदों पर 26 रन का योगदान दिया।

विकेटकीपर मोहित भगत ने अंत में तेज बल्लेबाजी करते हुए केवल 12 गेंदों पर 29 रन बनाए, जिससे टीम का स्कोर 200 के पार पहुंच सका। टीम को अतिरिक्त रनों के रूप में 34 रन मिले।

इंडस पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह

रोहतक। सोनीपत के मेयर राजीव जैन दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए, इस मौके पर उनके साथ हैं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु और इंडस पब्लिक स्कूल की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु। फोटो : हरिभूमि

इंडस पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह मदवि के टैगोर सभागार में हुआ, इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बच्चे शिक्षा के साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में जरूर शामिल हों : राजीव जैन

शिक्षा के साथ-साथ लक्ष्य का निर्धारण भी जरूरी : कैप्टन अभिमन्यु

विशिष्ट अतिथि पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने विद्यार्थियों को जीवन में संघर्ष करने की प्रेरणा दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सोनीपत के मेयर राजीव कुमार जैन ने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा के साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में जरूर शामिल हों। इससे उनका सर्वांगीण विकास होगा। साथ ही उन्हें जीवन में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, तभी वह अच्छा मुकाम पा सकते हैं। वे रविवार को इंडस पब्लिक स्कूल की ओर से महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार आयोजित वार्षिक समारोह में बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों की ओर से विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। मेयर ने बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच बच्चों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता को निखारते हैं। उन्होंने आयोजन समिति का आभार जताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंचे पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने विद्यार्थियों को जीवन में संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जब तक विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित नहीं करेंगे, वह कामयाब नहीं बन सकते। उन्हें शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ संघर्ष के मार्ग पर चलना होगा। तभी वे भविष्य में कामयाब बन सकेंगे। विद्यार्थियों ने मेरी कॉम के जीवन संघर्ष पर नृत्य, सामाजिक संदेश देता समूह नृत्य, रामायण, शंकराचार्य, बुद्ध और चाणक्य पर आधारित लघु नाटिकाएं, ईदगाह कहानी का मंचन, देशभक्ति गीत, समूह गान और हरियाणवी लोकगीत व नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद शैक्षणिक, खेल-कूद और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। **(विस्तृत पैकेज पेज 10 पर)**

पंखे पर लटका मिला युवक का शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिले के गांव घुसकानी में दो बहनों के इकलौते भाई ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। मृतक की पहचान करीब 30 वर्षीय विकास के रूप में हुई है। रात को विकास घर पर आकर सो गया। सुबह जब विकास कमरे से बाहर नहीं आया तो मां ने दरवाजा खोलने का प्रयास किया। दरवाजा नहीं खुला तो खिड़की से झांककर देखा तो विकास पंखे पर लटका मिला।

खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चल पाया

विकास की मां ने मामले में पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर टिटोली चौकी इंचार्ज अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर शव को कब्जे में लिया। वहीं, मौके पर एफएसएल एक्सपर्ट डॉ. सरोज दहिया को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। जांच में पता चला है कि विकास के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है, जबकि दो बहनों की शादी हो गई है।

गांव घुसकानी में दो बहनों के इकलौते भाई ने की आत्महत्या

रोहतक। जांच करती एफएसएल एक्सपर्ट डॉ. सरोज दहिया।

बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाला आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। प्रभारी स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ अश्वनी कुमार ने बताया कि भिवानी निवासी सतीश की शिकायत के आधार पर जांच में सामने आया कि 26 अगस्त 2023 को सतीश ने सुबह के समय अपनी बाइक को पीजीआई में खड़ी की थी। 27 अगस्त 2023 को सतीश को अपनी मोटरसाइकिल नहीं मिली अज्ञात युवक सतीश की मोटरसाइकिल चोरी कर मौके से फरार हो गया। मामले की जांच मुख्य सिपाही नवीन द्वारा अमल मे लाई गई। जांच के दौरान शनिवार को आरोपी प्रदीप निवासी नंदगढ जिला जींद को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से चोरीशुदा 7 मोटरसाइकिलें बरामद हुई है। आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है।

आरोपी से चोरीशुदा सात मोटरसाइकिल बरामद

कार्यक्रम भारतीय प्रबंधन संस्थान 'आईआईएम' में नेशनल सिम्पोजियम 2025

विकसित भारत 2047 की राह में सुरक्षा तकनीक और सामाजिक संतुलन अनिवार्य: प्रो. धीरज शर्मा

आत्मनिर्भरता, घरेलू उत्पादन और 'वोकल फॉर लोकल' की भावना के साथ हो भागीदारी

देश की समृद्धि की नींव मजबूत आंतरिक और बाहरी सुरक्षा पर निर्भर: लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में शनिवार को आयोजित नेशनल सिम्पोजियम 2025 में "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य को लेकर देश-विदेश के विशेषज्ञों ने गहन विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम की शुरुआत में आईआईएम के निदेशक प्रो. धीरज शर्मा ने कहा कि भारत का विकसित राष्ट्र बनना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए सुरक्षा, तकनीक, सामाजिक संतुलन और नागरिक सोच का विकसित होना भी उतना ही आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने कहा कि वैश्विक सुरक्षा को मजबूत करने के प्रयास कई बार नई जटिलताएं पैदा कर देते हैं। हथियारों पर भारी निवेश हमेशा रणनीतिक बढ़त नहीं देता। उन्होंने डिजिटल इंडिया की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि डिजिटल और वित्तीय साक्षरता के बीच असंतुलन के कारण आम नागरिक वित्तीय जोखिमों के प्रति अधिक असुरक्षित हो रहा है। उन्होंने विकसित भारत 2047 के लिए फिनटेक के जिम्मेदार उपयोग, आत्मनिर्भरता, घरेलू उत्पादन और 'वोकल फॉर लोकल' की भावना के साथ नागरिक भागीदारी पर जोर दिया। रणनीतिक सुरक्षा चुनौतियां सत्र में लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह (सेवानिवृत्त) ने कहा कि किसी भी देश की समृद्धि की नींव मजबूत आंतरिक और बाहरी सुरक्षा पर टिकी होती है। वहीं लेफ्टिनेंट जनरल फिलिप कैंपोज (सेवानिवृत्त) ने कहा कि वास्तविक सुरक्षा केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि विकास और नागरिक कल्याण से तय होती है। पूर्व राजदूत मीरा शंकर ने प्रतिस्पर्धी वैश्विक वातावरण में आर्थिक आत्मनिर्भरता को बेहद जरूरी बताया।

रोहतक। नेशनल सिम्पोजियम कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते आईआईएम के निदेशक प्रो. धीरज शर्मा, लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल फिलिप कैंपोज व पूर्व राजदूत मीरा शंकर। फोटो : हरिभूमि

कार्यबल तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया

टेक्नो-इकोनॉमिक चुनौतियां सत्र में विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सप्लाई चेन, साइबर सुरक्षा, डेटा संप्रभुता और ऑटोमेशन के दौर में कार्यबल को तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं सामाजिक-राजनीतिक चुनौतियां सत्र में समावेशी विकास, लैंगिक समानता, सामाजिक विषमताओं और मजबूत संस्थाओं की भूमिका पर चर्चा हुई। समापन में प्रो. धीरज शर्मा ने कहा कि विकसित भारत तभी संभव है जब देश में परिपक्व, संतुलित और जिम्मेदार सोच का विकास हो। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सोशल मीडिया पर खुद को विदेशी बताने वाले व्यक्तियों से दोस्ती न करें

रोहतक। पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया नें आमजन को साइबर अपराधियों से सतर्क करते हुए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि हर व्यक्ति मोबाइल, इंटरनेट तथा सोशल मीडिया से जुड़ा हुआ है और वह अपना हर काम ऑनलाइन के माध्यम से कर रहे है परन्तु कुछ साइबर क्रिमिनल जो इंटरनेट पर लोगों को वेबकूफ बनाकर उनके साथ धोखाधड़ी कर ठगी करने की वारदात को अन्जाम देते हैं। ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि कुछ साइबर क्रिमनल खुद को विदेशी बताकर सोशल मीडिया पर खुद की अच्छी जॉब या खुद को अच्छा बिजनेसमैन बताकर दोस्ती करते हैं। जिससे कुछ लोग उनकी बातों में आकर उनके साथ दोस्ती कर लेते हैं और फिर फेसबुक तथा व्हाटसअप के माध्यम से बातचीत करते है। काफी दिनों तक आपस में बातचीत करने पर वो आपको गिफ्ट या आई फोन इत्यादि भेजनें के लिए कहते हैं और कहते हैं कि आपको बस कस्टम ड्यूटी (कस्टम ड्यूटी एक तरह से टैक्स होता है जो विदेशों से आने व जाने वाले सामान पर टैक्स लगता है उसे कस्टम ड्यूटी कहा जाता है) देनी है। ऐसे में आपको गिफ्ट, आई फोन इत्यादि के लालच में आकर कोई किसी भी प्रकार की कस्टम ड्यूटी भरने की जरुरत नहीं है।

पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया

एसपी ने एडवाइजरी जारी की

हारना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।

-हरिवंश राय बच्चन

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया।

कहानी

आशमा कौल

ढाल

खिड़की पर खड़ी वंदना को पता ही नहीं चला कि मीठी हवा ने अचानक आंधी का रूप कब ले लिया और किरकिरी उसकी आँखों में समा गई। उसने तुरंत खिड़की बंद की और बेसिन पर अपनी दुखती आँखों में पानी के छींटें मारने लगी। शीशे में देखा तो दोनों आँखें लाल थी, वैसे भी उसे इसकी आदत हो चुकी थी। मन का हर गुबार वह बाथरूम में ही आकर निकालती थी। वंदना का ब्याह हुए दो वर्ष हो चुके हैं। बचपन में वंदना, घर भर की दुलारी और लाड़ली बेटी बहुत नाजों में पली थी, माँ-पिताजी कॉलेज में अधिवक्ता थे तो वंदना भी पढ़ने में होशियार रही।

'वंदू रानी, वंदू रानी कहाँ चली'- कहते हुए माँ वंदना को बाहों में भर लेती और वंदना खिलखिलाते हुए अपनी सहेलियों के साथ खेलने की जिद करती। चुलबुली वंदना अपनी सहेलियों की भी चहेती थी। मुस्कराती और खिलखिलाती वंदना सभी का दिल पल भर में मोह लेती थी। स्कूल पूरा हुआ तो वंदना ने इंजीनियरिंग में दाखिला लिया और चार साल की पूरी मेहनत के बाद एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हो गई। वंदना के पास उड़ने के लिए अब पूरा आसमान था और वंदना के पंखों में भी बहुत हौंसला था। वह हर दिन जोश से अपने टारगेट पूरे करती तो सबका सम्मान भी पाती। अपनी कंपनी से बेस्ट इंजीनियर का खिताब भी वह कई बार पा चुकी थी। दिन भर की व्यस्तता के बाद जब वंदना और उसके मम्मी-पापा शाम को मिलते तो वह अपनी बिटिया की उपलब्धियां देख सुनकर गर्व से फूले न समाते। डिनर टेबल पर पापा और बेटी के बीच दिन भर की चर्चा चलती। उस दिन भी गपशप चल रही थी जब माँ ने कहा 'वंदना अब मैं तुम्हारा ब्याह करना चाहती हूँ, कोई लड़का तुम्हारी नजर में है तो मुझे बिना झिझके बता दोश'। माँ की बात सुन वंदना अचानक सकते में आ गई – 'माँ आज अचानक आपको मेरे ब्याह का ख्याल कैसे आ गया'।

'जब बेटी बड़ी हो जाती है तब माँ की नींद गायब हो जाती है, तुम नहीं समझोगी'

'पापा देखो, आप ही समझाओ माँ को कि अभी इतनी जल्दी न करे, अभी तो मेरा कैरियर शुरू हुआ है'

'बेटा तुम सही कह रही हो लेकिन माँ भी अपनी जगह सही है। हर चीज़ समय पर अच्छी लगती है और अभी तो हमारी सुंदर गुणवान बेटी के लिए लड़का ढूँढने में भी समय लगेगा, देखो शादी के बाद भी तुम अपनी लग्न से बुलंदियाँ छू सकती हो' – पापा ने कहा तो माँ ने तुरंत तसल्ली देते हुए कहा– " मैंने भी तो शादी के बाद अपनी नौकरी जारी रखी और आज भी पढ़ा रही हूँ, तुम भी आगे अपना पैशन फॉलो करना, चलो अब आराम करो कल फिर सुबह निकलना है'।

मम्मी-पापा को शुभ रात्रि कह कर वंदना अपने कमरे में आकर अपने भविष्य के सुंदर सपने बुनती हुई नींद के आगोश में चली गयी।

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया। वह किसी न किसी बहाने वंदना को अपने कैबिन में बुलाता और उसकी तारीफ करता लेकिन वंदना तो अपने काम की बात करना ही पसंद करती लेकिन बड़े बाप के जिद्दी बेटे ने यह तय कर लिया था कि अगर वह ब्याह करेगा तो वंदना से ही करेगा।

मिलिंद ने अपने पापा से इस बारे में बात की तो घोष साहब खुश हो गए क्योंकि उन्हे वंदना हर तरह से बहुत पसंद थी। घोष साहब ने वंदना को बुला कर उससे भी सलाह ली तो उसने शर्माते हुए अपने पापा, अनिल शर्मा का नंबर दे दिया। अगले ही दिन घोष साहब और मिलिंद वंदना के घर में आमंत्रित थे।

'आईए आईए घोष साहब आपका स्वागत है हमारे गरीबखाने में' – शर्मा जी ने मेहमानों का बाहें खोल कर स्वागत किया और अपनी पत्नी को आवाज लगाई। घोष साहब और मिलिंद ड्रॉइंग रूम में बैठे ही थे कि वंदना भी पानी लेकर कमरे में आ गयी।

'बेटा इधर आओ और मेरे पास बैठो' - घोष साहब ने लाड़ से वंदना को अपने पास बिठाया और बोले 'प्रोफेसर साहब बहुत प्यारी और मेहनती बिटिया है आपकी, अगर आपको मंजूर हो तो मैं इसे अपनी बिटिया बनाना चाहता हूँ'।

'क्यों नहीं, यह तो आपकी बहुत तारीफ करती है कि आपने इसका करियर बनाने में बहुत मदद की है, अगर दोनों बच्चों को मंजूर है तो मुझे इस रिश्ते में कोई आपति नहीं'।

'बहुत बढ़िया बात कही आपने, मिलिंद बेटा आप और वंदना बिटिया अंदर कमरे में जाकर बातचीत कर लो और अपनी सहमति बताओ ताकि हम लोग भी निश्चिंत होकर विवाह की तारीख निश्चित कर सकें'– घोष साहब ने दोनों बच्चों को देखते हुए अपनी बात रखी।

'हाँ-हाँ वंदना, मिलिंद को अपना कमरा दिखाओ और आराम से बैठकर बातचीत करो' – वंदना की माँ ने घोष साहब को चाय का प्याला थमाते हुए कहा तो वंदना मिलिंद को अपना कमरा दिखाने के लिए उठ खड़ी हुई।

इधर घोष साहब, शर्मा जी से गुफ्तगू में लग गए और उधर उनकी पत्नी डिनर की तैयारी में लग गई। वंदना का सुसज्जित कमरा देखकर मिलिंद बहुत प्रभावित हुआ और तारीफ़ के पुल बांधने लगा- 'अरे वाह, वंदना बहुत सुंदर सजा रखा है तुमने अपना कमरा, मैं तो पूरी तरह से तुम्हारा दीवाना हो गया हूँ, लगता है तुम्हें खाना बनाने में भी निपुणता हासिल होगी, अरे मैं ही बोले जा रहा हूँ, तुम भी तो कुछ बोलो'।

'मिलिंद पहले बैठ तो जाओ फिर बताती हूँ कि कमरा तो मैं सजा कर रखती हूँ, लेकिन खाना बनाने का समय कहाँ मिलता है मुझे। वह तो मैं माँ की थोड़ी बहुत मदद करा देती हूँ और काम वाली बाई भी तो आती है। मिलिंद तुम्हे खाना बनाना आता है क्या'– वंदना ने पूछा तो मिलिंद कुछ भावुक हो गया।

'वंदना जब मैं दो साल का था तभी मेरी माँ मुझे छोड़ कर चली गई, तब से मुझे पापा और दादी ने पाला, फिर दादी भी साथ छोड़ गई और अब मेरी दुनिया में सिर्फ पापा हैं, वैसे तो बाहर मित्रों और घर में नौकरों की कमी नहीं है लेकिन फिर भी माँ की कमी खटकती है और मुझे यकीन है कि उस कमी को तुम ही पूरा कर सकती हो वंदना'।

मिलिंद की बातें सुन कर वंदना भी भावुक हो कर बोली – 'मिलिंद अगर हमारी शादी होती है तो मैं तुम्हारी आकांक्षाओं पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी, लेकिन मिलिंद ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती, इसमें तुम्हें भी मेरी पूरी मदद करनी होगी। मिलिंद मैं शादी के बाद भी काम करूंगी और कम्पनी को और भी ऊंचाइयों पर ला कर दिखाऊँगी।

'हाँ वंदना, मैं अपने कहे से कभी पीछे नहीं हटूँगा, तुम बस शादी के लिए हाँ कर दो'।

हँसते हुए मिलिंद और वंदना बाहर बैठक में आए तो सबने ताली बजा कर उनका स्वागत किया। दोनों तरफ से हाँ हो चुकी थी, अब केवल औपचारिक बातें हो रही थी। डिनर की मेज़ सज गई थी, सबने एक साथ बैठकर खाना खाया और फिर खुशी में मुंह मीठा किया।

अगले कुछ दिनों में वंदना के मम्मी-पापा ने पंडित जी से मिलकर शादी की तारीख तय कर ली। वंदना की माँ बहुत खुश थी कि उसकी पुत्री को सुयोग्य वर और अच्छा घर मिल गया लेकिन उसकी चिंता यह थी कि लड़के की माँ नहीं है और वंदना पर घर का पूरा दबाव आ जाएगा, लेकिन पति और बिटिया के समझाने पर वह निश्चिंत हो गई। वंदना बहुत समझदार लड़की थी और विवाह के बाद उसने अपने घर को बहुत अच्छे से संभाल लिया। सुबह जल्दी उठ कर काम वाली की मदद से वह नाश्ता और लंच तैयार करती और फिर पति और ससुर के साथ कंपनी का काम भी कुशलता से संभालती। सब उसकी तारीफ करते नहीं थकते। उसकी काबलियत देख कर घोष साहब जरूरी मामलों में बेटे से ज्यादा बहू पर विश्वास करते और हर मामले में उसकी राय लेते जो मिलिंद को पसंद नहीं आता।

मिलिंद वंदना को नीचा करने का कोई न कोई बहाना ढूँढता जो वंदना को समझ आने लगा था लेकिन वह चुप रहती ताकि उनके दांपत्य जीवन में दरार न आए। उसे बात-बात पर रुलवाना मिलिंद की आदत में शुमार हो गया था।

'मैंने एक लड़की से शादी की थी जो मेरा घर संभाल सके, कंपनी संभालने के लिए मैं हूँ'– मिलिंद वंदना को बात-बात में ताना मारता तो वंदना भी कह पड़ती – 'मिलिंद मैंने भी उतनी ही पढ़ाई की है जितनी तुमने, मैं भी अपनी जिंदगी जीना चाहती हूँ। शादी से पहले तुमने वादा किया था कि हम हर काम मिलकर करेंगे लेकिन दो साल में ही तुम बदल गए हो'।

बात-बात पर प्रताड़ित होती वंदना अपने दिल का गुबार आंसुओं में निकाल लेती लेकिन उस दिन तो मिलिंद ने हद ही पार कर दी, गंगा जैसी निर्मल वंदना पर गलत आक्षेप लगाकर। वंदना और मनोज एक ही प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे और उस मामले में मनोज को वंदना के कैबिन में कई बार जाना पड़ता था जो मिलिंद को बिल्कुल पसंद नहीं था। घोष साहब के कानों में जब यह बात पड़ी तो उन्होंने मिलिंद को बहुत समझाने की कोशिश की लेकिन उसकी बुद्धि को भ्रष्ट करने में उसके कुछ बिगड़ैल दोस्तों का हाथ था। अब तो समझने की जगह वह वंदना को और प्रताड़ित करने लगा और एक दिन मनोज को उसके कैबिन में जाते देख उसने हंगामा शुरू कर दिया।

'साले, बाहर निकल, मेरी बीवी के साथ गुलछर्रे उड़ाता है'।

'मिलिंद क्या कह रहे हो, होश में तो हो तुम'

'बकवास बंद कर' - मिलिंद वंदना का हाथ मरोड़ते हुए चिल्लाया- 'हाँ, होशोहवास में कह रहा हूँ, तुम कोई सती सावित्री नहीं, बदचलन हो, पहले मुझे अपने झाल में फंसाया और अब इसको फंसा रही हो'। यह सुनते ही वंदना को लगा जिसे किसी ने उस पर खौलता पानी डाल दिया हो और वह पूरी तरह झुलस गयी हो। कभी-कभी शारीरिक प्रताड़ना से बड़ी मानसिक प्रताड़ना होती है। सात फेरों के बाद अगर किसी औरत पर उसका पति इतना गलत और गिरा हुआ आक्षेप लगाए तो उसको क्या करना चाहिए। सबका कहना है कि उसको सब्र रखना चाहिए लेकिन वंदना पढ़ी-लिखी एक इज्जतदार घर की लड़की है और वह किसी भी तरह के गलत आक्षेप को स्वीकार नहीं कर सकती।

वंदना अपना सामान लेकर मायके आ गई है। खिड़की पर खड़ी वंदना के मन में उथल-पुथल चल रही है कि वह क्या करे। बाहर ठंडी हवा ने आंधी का रूप ले लिया है और वंदना ने एक अहम फैसला ले लिया है कि वह इस अंदर और बाहर की आंधी को अपने जीवन में घुसने नहीं देगी। उसने खिड़की को बंद कर दिया है और वॉश बेसिन पर आँखों को धो लिया है। अब उसे सब कुछ साफ दिख रहा है, उसने मन ही मन कुछ निश्चय किया है और उसके मम्मी-पापा उसके फैसले में उसके साथ उसकी ढाल बनकर खड़े हैं। बाहर आंधी थम चुकी है। वंदना ने खिड़की खोल दी है और शीतल बयार उसके तन और मन को सहला रही है।

लघु कथा | डॉ. अंजना गर्ग

घर जाग रहे, चोर भाग रहे

कल रात घुमंतु गली में घूम रहा था।
देखा—दो चोर बिजली के खंभे के नीचे उदास बैठे हैं,
जैसे सरकार ने चोरी पर भी जीएसटी लगा दिया हो।
घुमंतु ने पूछा,"क्यों रे भाइयो, आज धंधे पर नहीं गए?"
पहला चोर बोला,"घुमन्तू जी, धंधा ही चौपट हो गया, कहांजाएँ ?
क्यों, क्या हुआ ?ह घुमंतु ने प्रश्न दागा।
रात तीन बजे तक बच्चे मोबाइल के साथ जागते-जागते चौकीदार बन गए हैं।
सुबह चार बजे बुजुर्ग उठकरभगवान को लाइव कॉल लगा देते हैं!
दूसरा चोर आह भरते हुए बोला,"हम चोर हैं,
24 घंटे जागरण नहीं कर सकते!
इन घरों में तो नींद का भी प्रवेश-निषेध है,
चोरी तो दूर की बात है।"
घुमंतु हँस पड़ा—"लगता है भाइयो,
देश से नींद भी भ्रष्टाचार से डर कर भाग गई है।

कविता | भूपसिंह भारती

मां फुले का वंदन

मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन। हाथ जोड़कर नमन करें, नन्हें मुन्ने नंदन।।

सदियों से बंद रहा, शिक्षा का दरवाजा, उसे खोल कहा फुले ने, पढ़ने अंदर आजा,
ना ऊंच नीच कोई, ना कोई है बंधन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

पत्थर गोबर फेंका, जब चली पढ़ाने मां, ना रुकी क्रांति ज्योति, लगी कदम बढ़ाने मां,
फुले की कुर्बानी, कर गई सब को धन धन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सब पाखंडों को मिटाकर, हर घर में ज्ञान फैलाया, ना अनपढ़ रहे कोई, शिक्षा का दीप जलाया,
मां लगा महकने अब, तेरी मेहनत का चंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सत पथ पर चलकर के, फुले का मान करो, बनो एक नेक सारे, सुरक्षित संविधान करो,
कहे 'भारती' जीवन में, ना रहे कोई क्रंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।

कविता | सपना

अनकही बातें

कितनी अन्कही बाते हैं जो हम कह नहीं पाते ।
चाह कर भी किसी को बता नहीं पाते ।।

जानते हैं कि कोई ख़ुश न होगा हमारी ख़ुशी में ।
जानते हैं कि कोई दुखी न होगा हमारे दुख में ।।

क्यों भाईचारा नहीं रहा परिवारो में ?
क्यों एहसास नहीं रहा रिश्तों में ??
किस मुकाम पर आ कर खड़े हैं सब ।
जहाँ न सच बोलने वाले हैं न सुनने वाले ।।

जहाँ न सही का साथ देने वाले हैं ।
न वालत का विद्रोह करने वाले हैं ।।
न जाने क्यों टूट गई है हिम्मत ।
न जाने क्यों बिखर गए हैं ख़्वाब ।।

बस एक ज़िम्मेदारी सा लगता है जीवन ।
अनकहा अनसुना अनछुआ ...।।

कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लेखनी से शोषित-वंचित वर्ग के बहुआयामी शोषण, दमन, उत्पीड़न, अत्याचार आदि के मुंह बोलते शब्दचित्र जीवंत होकर कथा-कहानी व नाटकों में ढले हैं। यही कारण है कि हर पाठक को इस जमीनी लेखक के पात्रों की पीर भोगा, देखा व सुना यथार्थ प्रतीत होता है। नई पीढ़ी के नाम संदेश में वे कहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा स्वाध्याय करें तथा छपने की जल्दबाजी नहीं करें। बड़ों से मार्गदर्शन लेते रहें और मौलिक सृजनता पर ज्यादा ध्यान दें।

साक्षात्कार | सत्यवीर नाहड़िया

शोषितों के स्वाभिमान को शब्द देना लेखकीय दायित्व : सांभरिया

साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं होता, समाज का दिशाबोधक भी होता है, इसलिए लेखकीय दायित्व स्वाभाविक तौर पर बढ़ जाता है। सामाजिक विसंगतियों तथा विद्रूपताओं को उजागर करते हुए इनका समाधान भी सुझाना हमारा दायित्व है। शोषितों तथा वंचितों के न्याय युद्ध में शामिल होकर उनके स्वाभिमान को रेखांकित करना हर रचनाकार का दायित्व है। यह मानना है कथा साहित्य के क्षेत्र में देश के जाने-माने कथाकार-समालोचक का, जिन्होंने पिछले कई दशकों में निरंतर कथा-साहित्य को नए प्रयोगों के साथ समृद्ध किया है। यही कारण है कि कथा साहित्य के मूल तत्त्वों को अपनी मौलिक प्रयोगधर्मिता तथा अनवरत सृजनशीलता की अनूठी साधना से नयी ऊंचाइयां प्रदान करने वाले देश के चुनींदा रचनाकारों में रेवाड़ी के कथाकार रत्नकुमार सांभरिया का नाम बड़े आदर व सम्मान से लिया जाता है।

हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान से अलंकृत इस रचनाकार ने अपनी जन्मभूमि गांव भाड़ावास (रेवाड़ी) को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लेखनी से गौरवान्वित कराया है। भाड़ावास के इस लाल के जयपुर स्थित आवास पर लिखा 'भाड़ावास हाउस' इनका अपनी जड़ों के प्रति जुड़ाव एवं लगाव के कृतज्ञभाव का प्रदर्शित करता है। देशभर के विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में जहां उनकी रचनाएं शामिल कर पढ़ाई जा रही हैं, वहीं कहानी, लघुकथा, एकांकी, नाटक, आलोचना, अनुवाद आदि उनकी बहुआयामी सृजनधर्मिता पर तीन दर्जन से ज्यादा विद्यार्थी एमफिल व पीएचडी कर शोध कर चुके हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान से बतौर उपनिदेशक (प्रशासन) सेवानिवृत्त होकर अब पूर्ण रूप से साहित्य सृजन में साधनारत हैं। 6 जनवरी, 1956 को रेवाड़ी जिले के ऐतिहासिक गांव भाड़ावास में माता जुगरी देवी तथा पिता सिंहराम के घर जन्मे बालक रत्नकुमार ने आठवीं कथा तक पढ़ाई गांव से, फिर शेष रेवाड़ी के अहीर स्कूल, अहीर कॉलेज, एसपी कॉलेज आदि से पूरी कर राजस्थान में प्राथमिक शिक्षक के तौर पर आदिवासी बच्चों को पढ़ाते हुए अपनी व उनके बचपन की गरीबी पर कहानी लिखकर लेखन की शुरूआत की। विपुल कथा साहित्य के रचयिता सांभरिया ने कहानी एवं लघुकथा के क्षेत्र में देशभर में खास मौलिक पहचान बनाकर हरियाणा, रेवाड़ी तथा भाड़ावास का मान बढ़ाया है। उनकी कहानी 'मैं जीती' पर जहां राजस्थान सरकार का समाज कल्याण विभाग टेलीफिल्म का निर्माण कर चुका है, वहीं उनकी अन्य अनेक कहानियों एवं लघुकथाओं पर रेडियो नाट्य रूपांतर प्रसारित हो चुके हैं। उनकी रचनाधर्मिता का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद उनकी सृजनशीलता के विस्तृत फलक तथा गुणात्मकसृजन का प्रमाण है। डॉ. अंबेडकर एक जीवन का जहां अरबी एवं सिंधी में अनुवाद हो चुका है, वहीं मियांजान की कुकड़ी नामक पंद्रह कहानियों का अरबी-सिंधी में अनुदान हुआ है। नाटक-एकांकी के प्रखर हस्ताक्षर श्री सांभरिया की रचनाओं को देशभर के विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रमों में शामिल किया है। सरल व सहज व्यक्तित्व के धनी सांभरिया के अपने बचपन की गरीबी के दिन, टपकती छान, नंगे पैर स्कूल जाना, निरंतर आर्थिकी विषमताओं से जूझना, खेतिहर मजदूर पिता का संघर्ष आज भी याद है। यही कारण है कि उनकी कहानियों, नाटकों, लघुकथाओं के पात्र संघर्ष में घुटने नहीं टेकते,प्लायन भी नहीं करते अपितु जमकर-डटकर संघर्ष करते हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

कथा साहित्य के अनूठे साधक कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लिखी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें हुकम की दुग्गी, काल तथा अन्य कहानियाँ, खेत तथा अन्य कहानियाँ, दलित समाज की कहानियाँ, एयरगन का घोड़ा , बांग तथा अन्य कहानियाँ, प्रतिनिधि लघुकथा शतक, मुंशी प्रेमचंद और दलित साहित्य, उपन्यास साँप व नटनी, डॉ. अंबेडकर : एक प्रेरक जीवन, नाटक-वीमा, उजास, भभूल्ला आदि नाम शामिल हैं।

रत्नकुमार सांभरिया

पुरस्कार व सम्मान

नवज्योति कथा सम्मान (1998), राष्ट्रीय सहारा कथा पुरस्कार (2005), कथादेश अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मान (2007), राजस्थान पत्रिका सृजनात्मक पुरस्कार (2018), हरियाणा साहित्य अकादमी हरियाणा गौरव सम्मान (2014), सुब्रमण्यम भारती सम्मान, केंद्र सरकार (2017) राजस्थान साहित्य अकादमी मीरा सम्मान (2023), बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण सम्मान, रेवाड़ी (2025) आदि शामिल हैं।

एक-दूसरे के पूरक हैं साहित्य और स्वाध्याय

विमर्श | डॉ. चंद्र त्रिखा

हरियाणा की पावन धरती भारतीय साहित्य के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान रखती है, जिसे वेदों की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। महर्षि वेदव्यास द्वारा 'महाभारत' की रचना भी इसी माटी पर हुई, जिसने न केवल भारत अपितु संपूर्ण विश्व को जीवन दर्शन का पाठ पढ़ाया। मध्यकाल में संत साहित्य की अविरल धारा यहाँ प्रवाहित हुई, जिसमें बाबा फरीद की सूफी वाणी और संत निश्चल दास के दार्शनिक चिंतन ने समाज को वैचारिक स्पष्टता प्रदान की। हरियाणा का साहित्य केवल पन्नों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यहाँ की लोक विधा 'सांग' और रागिनियों के माध्यम से यह सामान्य जनमानस के कंठहार का हिस्सा बना। पंडित लखमीचंद जैसे कवियों ने लोक-साहित्य को जो ऊँचाई दी, उसने हरियाणा की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक पटल पर मजबूती से स्थापित किया। समकालीन परिदृश्य में हरियाणा का साहित्य बहुआयामी और प्रगतिशील है। खड़ी बोली के विकास में बालमुकुंद गुप्त जैसे दिग्गजों का योगदान अविस्मरणीय है, जिन्होंने अपनी लेखनी से राष्ट्रीय चेतना को जगाया। वर्तमान समय में हरियाणा के रचनाकार कविता, कहानी और उपन्यास के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों, नारी विमर्श और किसान जीवन की चुनौतियों को मुखरता से अभिव्यक्त कर रहे हैं। राज्य की हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी और अनेक साहित्यिक संस्थाएं इस दिशा में अपने प्रयास कर रही है, जिससे नए लेखकों को मंच और प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रत्येक वर्ष 500 से 600 साहित्यिक पुस्तकें प्रकाशित हो रही हैं। लेकिन एक विडंबना अब हमारे सामने आ रही है कि मुख्यधारा के विमर्श में हरियाणा में साहित्य के नाम पर कविताएँ ही अधिकाँश रूप से लिखी जा रही हैं और उसमें भी लघु कविता का बोलबाला है। जबकि गद्य में लघुकथा रचना का प्रभाव बढ़ रहा है। ऐसे में उपन्यास, कहानी, आलेख और काव्य खंड की स्थिति विचारणीय हो गई है। वर्तमान में साहित्य निहित गंभीर दार्शनिकता और मानवीय संवेदनाएं दुर्लभ सी हो रही हैं। आप ध्यानपूर्वक देखेंगे तो पायेंगे कि आज की युवा पीढ़ी में हमारे पास केवल कुछ चुनींदा लेखक ही हैं। जहां पूरी दुनिया के विभिन्न क्षेत्र युवा हाथों में सुरक्षित दिखाई देते हैं वहीं साहित्य की जिम्मेदारी का भार अभी भी वरिष्ठ साहित्यकारों के कन्धों पर होना चिंतनीय है। आज साहित्यकार जो लिख रहे हैं, वह भी अपेक्षित अध्ययन के बाद नहीं लिखा जा रहा है। साहित्य की इस समृद्ध विरासत को अक्षुण्ण रखने और इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए 'स्वाध्याय' की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक अनिवार्य हो गई है। स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है। जब तक हम अपने पुरखों द्वारा रचे गए महान ग्रंथों और समकालीन रचनाओं का गहरा अध्ययन नहीं करेंगे, तब तक हम अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। साहित्यिक स्वाध्याय व्यक्ति की आलोचनात्मक सोच को विकसित करता है, जिससे वह समाज में व्याप्त भ्रांतियों और सतही विमर्शों के बीच सत्य को पहचानने की दृष्टि प्राप्त करता है। स्वाध्याय की कमी के कारण ही आज स्तरीय साहित्य की जगह सतही सामग्री ले रही है। अतः, यह आवश्यक है कि हम पुस्तकों के साथ अपना नाता फिर से जोड़ें और पुस्तकालयों को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। साहित्य और स्वाध्याय एक-दूसरे के पूरक हैं। हरियाणा की साहित्यिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पठन की एक नई लहर की आवश्यकता है। स्वाध्याय से परिष्कृत समाज ही अपनी भाषा को मान दिला सकता है और साहित्य के माध्यम से राष्ट्र के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दे सकता है।

स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है।

खबर संक्षेप

विधायक बतरा को सौंपा मांगों का ज्ञापन

रोहतक। हरियाणा के राजकीय विश्वविद्यालयों में कार्यरत पात्र अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों की सेवा-सुरक्षा को लेकर हरियाणा यूनिवर्सिटीज कॉन्ट्रैक्चुअल टीचर्स एसोसिएशन (हुक्टा) के प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ विधायक भारत भूषण बतरा से उनके रोहतक निवास पर मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि इस महत्वपूर्ण मुद्दे को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में मजबूती से उठाया जाए।
हुक्टा ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में लगभग 1400 अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसर वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में महायुति की जीत

रोहतक। महाराष्ट्र के नगर परिषद एवं नगर पंचायत चुनावों के नतीजों ने राज्य की राजनीति की दिशा स्पष्ट कर दी है। जनता ने एक बार फिर विकास, स्थिरता और निर्णायक नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए भ्रम, परिवारवाद और अवसरवादी राजनीति को सिरे से खारिज कर दिया है। 288 सीटों में से 218 सीटों पर जीत दर्ज कर महायुति गठबंधन ने विपक्षी महाविकास आघाड़ी को करारा राजनीतिक झटका दिया है।
चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी ने 127 सीटें जीतकर महायुति की सबसे बड़ी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। वहीं शिवसेना (शिंदे गुट) को 54 सीटें और एनसीपी (अजित पवार गुट) को 37 सीटें प्राप्त हुईं। यह परिणाम इस बात का प्रमाण है कि शहरी और अर्ध-शहरी महाराष्ट्र में भाजपा की स्वीकार्यता लगातार मजबूत हो रही है।

एग्री स्टैक पोर्टल कृषि को देगा मजबूती

रोहतक। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किसानों के हितों को मद्देनजर रखते हुए एग्री स्टैक पोर्टल के माध्यम से सभी योजनाओं को एकीकृत किया जा रहा है। डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन-2024 के तहत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) का प्रयोग करते हुए एग्री स्टैक पोर्टल बनाया जा रहा है, जिसमें सभी किसानों का डाटा पंजीकृत किया जाएगा ताकि भविष्य में विभाग द्वारा दी जा रही सभी स्कीमों योजनाओं का लाभ किसान आसानी से प्राप्त कर सकें।

लाइट एंड साउंड प्ले में साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदान को किया जीवंत

■ सर्वोच्च बलिदान की गाथा को देखकर दर्शक हुए भाव-विभोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में साहिबजादों की शहादत को समर्पित लाइट एंड साउंड शो कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। लाइट एंड साउंड शो कार्यक्रम में कलाकार के साथ उपायुक्त सचिन गुप्ता, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, आरटीए सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल, रोहतक के उपमंडलाधीश आशीष कुमार व नगराधीश अंकित कुमार।

हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन के सौजन्य से रविवार को दादा लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय के सभागार में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में साहिबजादों की शहादत को समर्पित लाइट एंड साउंड शो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस लाइट एंड साउंड शो कार्यक्रम में श्रीगुरू गोबिंद सिंह के साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह व साहिबजादा बाबा फतेह सिंह की अद्वितीय शहादत को एक अनूठे तरीके से श्रद्धांजलि दी गई। इस शो के माध्यम से साहिबजादों की वीर गाथा और उनके सर्वोच्च बलिदान को जीवंत किया गया, जिसे देखकर हर दर्शक भाव-विभोर हो उठा है। दर्शकों ने गुरु साहिब की त्याग, शौर्य और मानवीय मूल्यों के संदेश को जीवंत होते देखकर अत्यधिक श्रद्धा व्यक्त की। इस तरह के आयोजनों से युवा पीढ़ी को महान शहीदों के त्याग और शौर्य के बारे में जानने तथा उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर साहिबजादों की शहादत व सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि दी। हमारे महापुरुषों ने देश को आगे बढ़ाने में सहयोग दिया है। सफर-ए-शहादत सिख शहादत की एक दमदार और भावनात्मक यात्रा पेश करता है, जिसकी शुरुआत श्रीगुरु तेग बहादुर साहिब के सर्वोच्च बलिदान से होती है, फिर चमकौर दी गढ़ी की ऐतिहासिक घटनाओं से होते हुए यह साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा बाबा फतेह सिंह की शहादत पर खत्म होती है। यह शो प्रभावशाली कहानी, एलइडी विजुअल्स, साउंड, लाइट इफेक्ट्स, एनिमेशन और वीएफएक्स के जरिए इन अहम पलों को जीवंत करता है। यह एक घंटे का लाइट एंड साउंड शो सच्ची ऐतिहासिक कहानी को आधुनिक स्टेज टेक्नोलॉजी के साथ मिलाकर एक सिनेमैटिक अनुभव बनाता है जो दर्शकों, खासकर युवाओं को साहिबजादों के साहस, विश्वास और बलिदान के मूल्यों के बारे में सिखाता और प्रेरित करता है। इस अवसर पर आरटीए सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल, रोहतक के उपमंडलाधीश आशीष कुमार, नगराधीश अंकित कुमार, महम के उपमंडलाधीश विपिन कुमार, मंडल आयुक्त के ओएसडी शुभम, भाजपा नेता धर्मबीर शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नाटक से दी गौरवशाली सिख इतिहास की जानकारी

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हमारे इतिहास को जीवंत कर रहे है। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को सिख इतिहास के गौरवशाली और वीरता के अध्याय से रूबरू करवाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य साहिबजादों के धर्म और न्याय के लिए सर्वोच्च बलिदान को नमन करना है। वीर बाल दिवस के उपलक्ष में प्रदेशभर में सरकार द्वारा ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल को उपायुक्त सचिन गुप्ता ने पौधे के रूप में स्मृति चिन्ह भेंट किया। उपायुक्त ने नाटक के अंत में मंच पर जाकर सभी कलाकारों का हौसला बढ़ाया और उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कलाकारों ने श्रद्धा के साथ दी प्रस्तुति

इन कलाकारों ने श्रद्धा के साथ दी प्रस्तुति लाइट एंड साउंड शो में चंडीगढ़ से आए कलाकार पलविंदर कौर, विक्रमजीत सिंह, अक्षयेंद्र सिंह, हरप्रीत सिंह हैप्पी, गुरूविंदर सिंह, हरजोत वीर सिंह, गुरुप्रित बेंद्र, राजविंदर सिंह, अतेंद्र सिंह, रणधीर सिंह सहित अन्य कलाकारों ने डायरेक्टर तलविंदर सिंह भुल्लर के मार्गदर्शन में प्रस्तुति दी। लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से साहिबजादो के त्याग, शौर्य और बलिदान का दिया संदेश। इस शो में आधुनिक तकनीक, लेजर लाइट्स और 3डी प्रोजेक्शन का उपयोग करके साहिबजादे के जीवन, उनकी शिक्षाओं और उनके अद्वितीय बलिदान को बेहद प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। यह शो प्रभावशाली कहानी, एलइडी विजुअल्स, साउंड, लाइट इफेक्ट्स, एनिमेशन और वीएफएक्स के जरिए इन अहम पलों को जीवंत करता है।

बहलबा गांव में बाबा ने स्कूल के लिए दान की थी जमीन, बनवाए थे 14 कमरे

बाबा रती नाथ ने जगाई थी शिक्षा की अलख, अपने खर्च पर बनवाया स्कूल

बच्चों की शिक्षा में रुकावट न आए इसलिए सात एकड़ कृषि भूमि अलग से स्कूल के नाम करवाई थी

राज कुमार नरवाल ▶▶| महम

महम। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बहलबा का वर्तमान भवन।

महम। बहलबा गांव के सरकारी स्कूल में स्थापित बाबा मुवासी नाथ की प्रतिमा और वहां पर लगा विद्यालय का 68 साल पुराना उद्घाटन पत्थर।

सोने का ताला व चाबी अपने साथ ले गए थे मुख्यमंत्री

सोना एक ऐसी धातु है, जो सभी को पसंद है, इसकी चमक व सुंदरता सबको अपनी ओर आकर्षित करती है। सोना धन, सुंदरता, निवेश, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का प्रतीक है। सोना कभी जंग नहीं खाता और अपनी चमक नहीं खोता, जिस वजह से यह एक स्थाई और विश्वसनीय धातु है। अब जहां सोने से आभूषण बनाए जाते हैं। लेकिन किसी जमाने में कुछ शौकीन लोग दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी सोने से ही बनवा लेते थे। बाबा रती नाथ ने सोने का ताला स्कूल के लिए बनवाकर गेट पर लगाया था। संयुक्त पंजाब के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री सरदार प्रताप सिंह कैरो को इस स्कूल का उद्घाटन करने के लिए बुलाया गया। सोने से बना हुआ ताला बहुत ही सुंदर व आकर्षक था। जैसे ही सरदार प्रताप सिंह कैरो ने उदघाटन करने के लिए सोने का ताला खोला तो उन्हें वह ताला अत्यधिक पसंद आ गया। उन्होंने तुरंत उस आधा किलोग्राम सोने से बने हुए ताले और चाबी को अपनी जेब में डाल लिया और वे उन्हें अपने साथ ही ले गए। उस दिन गांव के लोगों को उम्मीद थी कि उनके गांव का स्कूल प्राइमरी से हाई स्कूल बन जाएगा। लेकिन मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों ने मिडल स्कूल के रूप में इस स्कूल को अपग्रेड करने की घोषणा की।

स्कूल पर लगाया था आधा किलो सोने से बना ताला

बाबा रती नाथ में स्कूल बनाने को लेकर इतना जज्बा था कि उन्होंने नए स्कूल की बिल्डिंग पर जो सुंदर गेट बनवाया था, उस पर आधा किलोग्राम सोने से बना ताला लगाया था। ताकि उद्घाटन करने के लिए यदि मुख्यमंत्री आएं तो सोने से बना हुआ यह ताला खोलें। साथ ही स्कूल एक मिसाल बने की विद्यालय के गेट पर सोने का ताला लगा हुआ है।

मिल चुका है सीनियर सेकेंडरी का दर्जा

कालांतर में यह स्कूल अपग्रेड होकर दसवीं कक्षा तक का स्कूल बन गया। फिलहाल यह गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल है।
शुरूआत से ही इस स्कूल को बाबा मुवासी नाथ राजकीय विद्यालय के नाम से जाना जाता है। क्योंकि बाबा रती नाथ ने यह स्कूल अपने गुरु मुवासी नाथ के नाम से बनवाया था।

प्राथमिक विद्यालय शुरू किया था। आज बेरी रोड पर उस स्कूल की जगह पर चौपाल बनी हुई है। उसके बाद बच्चों की अधिक संख्या को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपने खेत में अपने खर्च पर 14 कमरों का निर्माण करवाया। बच्चों की शिक्षा में कोई रुकावट न आए इसलिए स्कूल का खर्च चलाने के लिए अलग से 7 एकड़ जमीन दान की थी। विद्यालय के लिए उन्होंने कुल 14 एकड़ से ज्यादा जमीन दान की थी। चर्चा चलती है कि बहलबा गांव में बाबा रतीनाथ ने शिक्षा की अलख जगाई थी। उनके प्रयासों से संयुक्त पंजाब के समय ही नई बिल्डिंग में मिडल स्कूल शुरू किया गया। बहलबा गांव में अब डेरे की 14-15 एकड़ जमीन ही बची हुई है।

फिट इंडिया के तहत संडे ऑन साइकिल का आयोजन

रोहतक। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) द्वारा केनरा बैंक और एसबीआई के सहयोग से रविवार को राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रोहतक में फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत संडे ऑन साइकिल पहल के एक वर्ष पूरे होने पर विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर साइकिलिंग के माध्यम से फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में डिप्टी डायरेक्टर गौरव रावत और वरिष्ठ कोच अनिल मलिक ने उपस्थित अधिकारियों और प्रतिभागियों को फिट इंडिया मूवमेंट के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने परिवार और संस्थान के सहयोगियों को नियमित व्यायाम और साइकिलिंग के लिए प्रेरित करें। केनरा बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख अतुल बंसल, एजीएम ने स्वयं साइकिल रेस में भाग लेकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। साइकिल रेस में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कविंदर बिष्ट, नवीन कुमार, अनामिका, मोनिका नेगी, आकांशा और निशा ने भी भाग लिया। आयोजन में खिलाड़ियों और अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी से फिटनेस के प्रति जागरूकता का संदेश प्रभावी रूप से दिया गया।

मानसिक शांति को बनाए रखने के तरीके बताए

रोहतक। सैनी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनएसएस के सात दिवसीय शिविर के छठे दिन डॉक्टर रामकुमार सैनी , प्राचार्य सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने वॉलिंटियर्स को जीवन में मानसिक शांति को बनाए रखने के लिए विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दी व आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। स्वयं सेविकाओं के लिए पोस्टर मेकिंग , पेंटिंग, गायन व मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांय कालीन सत्र में दयाचंद सैनी ने बच्चों को आज के समय में मोबाइल फोन के अधिक उपयोग से बचने व किताबों से जुड़े रहने की शिक्षा दी। इसके पश्चात दया सिंह सैनी रिटायर्ड अधिकारी, सेंट जान एम्बुलेंस व धीरज सैनी ने बच्चों को प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी दी। प्रीति मुंडे ने वॉलिंटियर्स को टाईम मैनेजमेंट के बारे में बताया व जीवन में आगे बढ़ाने के बारे में अपने विचारों से उन्हें अनेक क्षेत्रों के बारे में बताया। स्कूल प्राचार्या नीलम सैनी ने सभी का धन्यवाद करते हुए सभी को सभी के चिन्ह भेंट किए।

अविश्वास प्रस्ताव से पता चला कि कांग्रेस में पूर्व सीएम हुड्डा की कोई अहमियत नहीं : मोहन लाल बड़ौली

■ राम के नाम से कांग्रेस को दिक्कत क्यों हो रही : बड़ौली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पं मोहन लाल बड़ौली ने रविवार को रोहतक स्थित भाजपा कार्यालय मंगल कमल से हर घर स्वदेशी, घर स्वदेशी रथ यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा हर जिले के अंदर जा रही है। 24 दिसंबर को इस यात्रा का पंचकूला में समापन होगा। उन्होंने कहा कि 24 दिसंबर को ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पंचकूला आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कई कार्यक्रम रहेंगे। रथ यात्रा को रवाना करने के बाद उन्होंने पत्रकारों से भी बातचीत की। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब अविश्वास प्रस्ताव से पता चला कि कांग्रेस में पूर्व सीएम हुड्डा की कोई अहमियत नहीं है। कांग्रेस के लोगों ने हुड्डा के प्रस्ताव पर साइन कराना भी जरूरी नहीं समझा।जिला स्तर एवं प्रमुख शहरों में कवि सम्मेलन, चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। 24 दिसम्बर को अटल की सभी प्रतिमाओं एवं स्मारकों की साफ-सफाई एवं रखरखाव का विशेष अभियान चलाया जाएगा और शाम को सभी भाजपा कार्यालयों में दीपोत्सव का आयोजन होगा।

25 से 31 तक प्रदेश में होंगे कई कार्यक्रम

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी को अटल स्मृति वर्ष के रूप में मना रही है। 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक प्रदेश में कई कार्यक्रम होंगे। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र में अटल स्मृति सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। हर विधानसभा में कम से कम एक चौक, चौराहा, उद्यान, सड़क का नाम अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा जाएगा और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। अटल स्मृति सम्मेलनों में तीन वक्ता अटल के जीवन, विचारों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालेंगे। रक्तदान शिविर, सुशासन यात्राएं एवं प्रभात फेरियां आयोजित की जाएंगी।

भगवान पार्श्वनाथ का जन्म महोत्सव मनाया

रोहतक। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव जैन मंदिर एवं आश्रम, डोभ में बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 7 बजे प्रभु की शांतिधारा से हुई, जिसमें श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों के साथ मंदिर पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10:30 बजे मुख्य अतिथि विनोद जैन और कार्यक्रम अध्यक्ष राकेश जैन द्वारा सरस्वती दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात संजय जैन द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर वाणी भूषण साध्वी सुरूचि महाराज ने विशेष प्रवचन देते हुए सत्य, अहिंसा और दया भाव को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

महात्मा गांधी के नाम से जुड़ी योजनाओं को कमजोर कर रही भाजपा सरकार: विधायक

■ मनरेगा को कमजोर करने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। भाजपा का पुतला लेकर प्रदर्शन करते कांग्रेसी। फोटो : हरिभूमि

प्रदर्शन में ये रहे मौजूद

प्रदर्शन में पूर्व मंत्री सुभाष बत्रा, चक्रवर्ती शर्मा सदस्य आल इंडिया कांग्रेस कमेटी, राजबहादुर शर्मा, चांदवीर हुड्डा, सुलभ गुगनानी, निगम पार्षद विजय गोयल, निर्मला बल्हारा, राजदुलारी, मनमोहन आजाद, गुलशन जुनेजा, डॉ निर्मल बल्हारा, बलजीत राणा, रामनिवास चोपड़ा, महावीर मालिक आदि रहे।

भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नाम में परिवर्तन करने और इस जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने के प्रयासों के विरोध में रविवार को कांग्रेस द्वारा प्रदर्शन कर भाजपा का पुतला फूंका गया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे विधायक भारत भूषण बतरा ने कहा कि भाजपा सरकार ने मनरेगा को और सशक्त करने की बजाय कमजोर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महात्मा गांधी के नाम और विचारधारा से जुड़ी योजनाओं को कमजोर कर रही है।
कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक भारत भूषण बतरा ने केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मनरेगा गरीब, मजदूर और ग्रामीण भारत के लिए जीवनरेखा है, लेकिन भाजपा सरकार इसे योजनाबद्ध तरीके से कमजोर कर रही है।

पुस्तकें ज्ञान को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम

कुलाधिपति महंत बालकनाथ योगी ने डिस्क्रेट मैथमेटिक्स सहित तीन अकादमिक पुस्तकों का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी में पुस्तक का लोकार्पण करते विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महंत बालक नाथ योगी।

बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी में शैक्षणिक गुणवत्ता को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कुलाधिपति महंत बालक नाथ योगी ने तीन अकादमिक पुस्तकों का औपचारिक लोकार्पण किया। लोकार्पित पुस्तकों में डिस्क्रेट मैथमेटिक्स, प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स तथा ऑपरेशन रिसर्च शामिल हैं, जो विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होंगी। इन किताबों को विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक अफेयर्स प्रोफेसर नवीन कुमार ने लिखा है इस अवसर पर कुलाधिपति के सलाहकार प्रोफेसर एचएल वर्मा, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे. पी. यादव, परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर मुकेश सिंगल, फैकल्टी ऑफ साइंसेज के डीन प्रोफेसर मनोज कुमार सहित अनेक वरिष्ठ शिक्षाविद एवं अकादमिक विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक अफेयर्स प्रोफेसर नवीन कुमार भी विशेष रूप से मौजूद रहे। लोकार्पण के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार की गई ये पुस्तकें विद्यार्थियों को विषय की मूल अवधारणाओं को सरल, व्यावहारिक और विश्लेषणात्मक ढंग से समझने में सहायक होंगी। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में तार्किक सोच, समस्या समाधान और शोध दृष्टिकोण विकसित करना है, और ये पुस्तकें उस दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान करती हैं।
ऑपरेशन रिसर्च पुस्तक, जिसे प्रोफेसर नवीन कुमार एवं डॉ. मनीषा यादव द्वारा लिखा गया है, बी.टेक, एम.एससी और एमबीए के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी होगी। यह पुस्तक निर्णय लेने की वैज्ञानिक पद्धतियों, संसाधनों के बेहतर उपयोग, लागत नियंत्रण और प्रबंधन से जुड़ी जटिल समस्याओं को समझने में मदद करेगी, जो उद्योग और कॉरपोरेट जगत में विशेष महत्व रखती हैं।

महंत बालक नाथ योगी ने लेखकों को दी बधाई

कार्यक्रम के अंत में कुलाधिपति महंत बालक नाथ योगी ने लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी अकादमिक कृतियां विश्वविद्यालय की पहचान को सशक्त करती हैं और विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करने में सहायक होती हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये पुस्तकें आने वाले वर्षों में विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए एक उपयोगी संदर्भ ग्रंथ के रूप में स्थापित होगी।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
Nursing Staff 4
ICU Staff 6
PRO/Marketing Executive 6
Ward Boy 2
Gate Keeper 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

श्री गणेशाय नमः
श्री बालाजी ज्योतिष केन्द्र
म.नं. 232, सेक्टर -14, हिसार मो. 85710-24131 87086-55938
प्यार मोहब्बत किया/कराया, जादू-टोना गुप्त दुश्मन, सौतन, नजर दोष, विदेश यात्रा, सास बहु/पति पत्नी में अनबन, पशुधन बर्बाद होना, कारोबार में बरकत ना होना, धन की बर्बादी, पढ़ाई में मन न लगना, विवाह में देरी, नौकरी में प्रमोशन
समस्या कैसी भी हो,
जड़ से होगी खत्म जब कभी भी ना बना हो काम तो होगा गारन्टीड समाधान
पं. तुषार शर्मा
(गोल्ड मेडलिस्ट)
हर रोज मिलें सुबह 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक

इंडस पब्लिक स्कूल के वार्षिक समारोह से गुलजार हुआ मदवि का टैगोर सभागार

वैदिक और लोक संस्कृति के रंगों से महका मंच, प्रतिभाओं का सम्मान

सोनीपत के मेयर राजीव जैन और पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

'एक शाम संस्कृति की छांव में' दिखी भारतीय लोक संस्कृति

इंडस पब्लिक स्कूल की ओर से रविवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में वार्षिक समारोह "एक शाम संस्कृति की छांव में" का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कृति और संस्कारों का सुंदर संगम देखने को मिला।

समारोह के मुख्य अतिथि सोनीपत के मेयर राजीव कुमार जैन रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु, वरिष्ठ प्रोफेसर एवं मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. ध्रुव चौधरी और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आदित्य बतरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर ऑडिटोरियम में आयोजित इंडस पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

मंच पर विद्यार्थियों की बहुआयामी प्रतिभा दिखी

थीम "एक शाम संस्कृति की छांव में" पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने अपनी बहुआयामी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगी वेशभूषा में सजे नन्हे-मुन्ने कलाकारों की प्रस्तुतियों ने अभिभावकों और दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक गतिविधियों में विद्यार्थियों ने राज्य थीम डांस, भारतीय शास्त्रीय नृत्य, हरियाणवी, वैदिक युग और योग पर आधारित प्रस्तुति, राधा-कृष्ण की लीलाओं का नृत्य रूपांतरण, मैरी कॉम के जीवन संघर्ष पर नृत्य, सामाजिक संदेश देता समूह नृत्य, रामायण, शंकराचार्य, बुद्ध और चाणक्य पर आधारित लघु नाटिकाएं, ईदगाह कहानी का मंचन, देशभक्ति गीत, समूह गान और हरियाणवी लोकगीत व नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं, जिन पर सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। अंत में प्रधानाचार्य दीपक कुमार वशिष्ठ ने सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया व शुभकामनाएं दी। विद्यालय गीत के साथ कार्यक्रम को विराम दिया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद शैक्षणिक, खेल-कूद और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। प्रधानाचार्य ने विद्यालय की वर्षभर की उपलब्धियों, परीक्षा परिणामों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। जूनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना पर मनोहारी नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को आध्यात्मिक और भावपूर्ण बना दिया। इसके बाद स्वागत गीत की मधुर प्रस्तुति दी गई। हर प्रस्तुति पर दर्शकों ने दिल खोलकर तालियां बजाईं।

रोहतक। इंडस स्कूल के वार्षिकोत्सव में शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

रोहतक। इंडस स्कूल के वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों की प्रस्तुति पर तालियां बजाकर हौसला बढ़ाते विशिष्ट अतिथि।

शिक्षा केवल पुस्तकों तक ही सीमित नहीं यह नैतिक मूल्यों से ही पूर्ण होती है : जैन

मुख्य अतिथि एवं सोनीपत के मेयर राजीव कुमार जैन ने कहा कि कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां यह दर्शाती है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कृति, कला और नैतिक मूल्यों से जुड़कर ही पूर्ण होती है। ऐसे मंच बच्चों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता को निखारते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया तथा शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

रोहतक। इंडस पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि एवं सोनीपत के मेयर राजीव जैन को सम्मानित करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

जो जीवन में संघर्ष करेगा वह आगे बढ़ेगा लक्ष्य के लिए मेहनत करें : कैप्टन अभिमन्यु

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों का लक्ष्य होना बहुत जरूरी है। जो बच्चा जीवन में संघर्ष करेगा वह आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ संघर्ष के मार्ग पर चलना होगा। तभी वे भविष्य में कामयाब बन सकेंगे। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों को इस सार्थक आयोजन के लिए बधाई दी।

रोहतक। इंडस स्कूल के वार्षिकोत्सव में नृत्य करते नन्हें-मुन्ने बच्चे।

विद्यार्थियों ने हर क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया : डॉ. एकता

चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुझे गर्व है कि हमारे विद्यार्थियों ने न केवल पढ़ाई में बल्कि कला व खेलों में भी श्रेष्ठतम प्रदर्शन किया है। यह हमारे शिक्षकों के प्रयासों और आप सभी के अटूट समर्थन का परिणाम है। उन्होंने मुख्य अतिथि व अन्य पदाधिकारियों, अभिभावकों, अध्यापकगण व विद्यार्थियों द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व अपना सहयोग देने के लिए हार्दिक धन्यवाद किया।

संकल्प : देश में शिक्षा और खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देगी रोहिल्ला संस्था

रोहतक। शिक्षा से सशक्तिकरण का नारा लेकर चल रही रोहिल्ला संस्था ने ऐलान किया है कि देश व प्रदेश में शिक्षा तथा खेलों के क्षेत्र में युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। विशेष रूप से ग्रामीण तथा दूर दराज के क्षेत्रों में रहने वाली खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के अवसर प्रदान किए जाएंगे। यह संकल्प रोहिल्ला संस्था के स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लिया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा रहे। इस अवसर पर दसवीं तथा 12वीं कक्षाओं में 95 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों, खेलों के माध्यम से अपने समाज का राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर नाम रोशन करने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष कन्हैया लाल ने मुख्य अतिथि सतबीर वर्मा का स्वागत करते हुए संस्था की गतिविधियों तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

घनी शहरी आबादी क्षेत्र में स्थित हैफेड प्लांट के स्थानांतरण का मामला विस में उठेगा

रोहतक। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में रोहतक के हैफेड फीड प्लांट का मामला प्रमुखता के साथ उठाया जाएगा। विधायक भारत भूषण बतरा ने सरकार से मांग की है कि लोगों को हो रही असुविधा को देखते हुए प्लांट आबादी क्षेत्र से स्थानांतरित किया जाए। कई दशक से यहां हैफेड प्लांट बना हुआ है और इसकी वजह से लोगों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। विधायक बत्रा का कहना है कि हैफेड फीड प्लांट अब उत्तम विहार आवासीय क्षेत्र में आ रहा है। प्लांट के चारों तरफ घनी आबादी है। प्लांट की भट्टी से निकलने वाली राख और उत्सर्जन यहां रहने वाले लोगों के घरों में प्रवेश कर रहा है। इससे लोगों को यह के प्रदूषण से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही है और भारी असुविधा का सामना भी करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं गर्मी के महीनों में प्लांट की वजह से सुरसी (घोंघे) भी इलाके में लोगों के घरों में घुस जाते हैं।

एनएसएस शिविर में साइबर अपराध को लेकर विद्यार्थियों को किया जागरूक

रोहतक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सांघी (रोहतक) में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का छठा दिन उत्साह व अनुशासन के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस लक्ष्य गीत के सामूहिक गायन से हुई, जिससे स्वयंसेवकों में सेवा व राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत हुई। इसके बाद गौड कॉलेज रोहतक के सहायक प्रोफेसर कपिल शर्मा ने साइबर अपराध विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने साइबर ठगी, सोशल मीडिया के जोखिम और ऑनलाइन सुरक्षा के उपायों की जानकारी देकर विद्यार्थियों को जागरूक किया। विद्यालय की पीजीटी गणित अध्यापिका सुमन मैम ने "गणित से डर क्यों?" विषय पर प्रेरक व्याख्यान देते हुए सरल तरीकों से गणित को समझने की सलाह दी।

टैलेंट ट्री स्कूल के बच्चों ने वार्षिकोत्सव में नाटक से स्वच्छ भारत का दिया संदेश

महम। वार्षिक उत्सव के दौरान मंच पर अपनी प्रस्तुती देते टैलेंट ट्री स्कूल के बच्चे। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

टैलेंट ट्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल महम में रविवार को वार्षिक उत्सव आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय रोहतक के प्रोफेसर डॉक्टर योगिंद्र मलिक समारोह के मुख्य अतिथि रहे। महम चीनी मिल के एमडी मुकुंद तंवर व डीएसपी ऋषभ सोढी ने बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में शिरकत की। प्रधानाचार्य आदित्य श्रीवास्तव ने स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए पूरे वर्ष की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी सांझा की। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत मनमोहक गणेश वंदना से हुई, जिसने माहौल को भक्तिमय बना दिया। बच्चों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

विद्यार्थियों ने अपने नाटक व अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से मंच पर भारतीय इतिहास और शौर्य को जीवंत किया। रानी लक्ष्मीबाई, पृथ्वीराज चौहान और महाराणा प्रताप पर आधारित नाटकों ने दर्शकों में देशभक्ति का जोश भरा। वहीं, पौराणिक कथाओं पर आधारित 'कृष्ण लीला' और 'महाभारत की गाथा' ने दर्शकों को भाव-विभोर किया। नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा 'मोटू पतलू', 'शकी शकी', 'पापा मेरी जान' और 'यम यम पार्टी' पर दी गई प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। आधुनिक तकनीक और रोमांच का प्रदर्शन करते हुए 'रोबोटिक्स डांस' और 'हैलोवीन हॉरर डांस' ने खूब तालियां बटोरीं, जबकि 'स्वच्छ भारत' और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे नाटकों ने समाज को गहरा संदेश दिया। अंत में स्कूल प्रबंधन की ओर से रेखा ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल, डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा, नगर पालिका महम की प्रधान भारती और नगर पालिका के उपप्रधान बसंत लाल गिरधर समेत इलाके कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

फेफड़ों की जांच के लिए लगाया कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन द्वारा हरिओम सेवा दल और होली हार्ट मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से सामान्य एवं फेफड़े जांच कैंप का आयोजन किया गया। हरिओम सेवा दल कंप्यूटर सेंटर गांधी नगर में लगाए गए कैंप में डॉ. अंकुर अग्रवाल, डॉ. चितवन एवं डॉ. भूपेश मलिक ने अपनी सेवाएं प्रदान की। इस कैंप में 58 व्यक्तियों द्वारा अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई गई, जिनके पीएफटी, बीपी व शुगर की जांच भी निशुल्क की गई। यह जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि सभी मुख्य डॉक्टर और सेवादल टीम द्वारा दीप प्रज्वलित कर जांच कैंप का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर अंकुर अग्रवाल ने कहा कि प्रदूषण के इस समय में एवं धूम्रपान करने वाले 50 से अधिक आयु के व्यक्तियों को समय-समय पर फेफड़े जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि किसी भी तरह की बीमारी का समय पर पता लगाकर उसका सुरक्षित इलाज किया जा सके।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर हरिओम सेवा दल के संस्थापक सदस्य विजय खुराना, संजय खुराना, राजीव जैन, अश्विनी पाहवा, अशोक कतयाल, प्रेम मदान, हरीश दुआ, योगेश अरोड़ा, बबीता गर्ग, पूनम मिगलानी, रिया नारंग, रवि सोहल, कोमल शर्मा, दिनेश सचदेवा, राजेंद्र डोला, साहिल एवं सेवादार उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

आयोजन भाजपा जिला इकाई ने प्रदेश कार्यालय मंगलकमल में आयोजित की बैठक

भारत को आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है लक्ष्य : रामचंद्र जांगडा

- भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर : ग्रोवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक से पूर्व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करते राज्यसभा सदस्य रामचंद्र जांगडा। फोटो : हरिभूमि

भाजपा जिला इकाई द्वारा जिला कार्यकारिणी की एक बैठक प्रदेश कार्यालय मंगलकमल में आयोजित की गई , जिसमें जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, विशेष आमंत्रित सदस्य आदि वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका द्वारा की गई। बैठक में मुख्य वक्ता राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगडा, पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर और प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर खरक रहे। बैठक में पहुंचने पर सभी आगंतुक नेताओं का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। बैठक में आत्मनिर्भर भारत पर बोलते हुए राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत आत्मनिर्भर भारत का संकल्प आज देश के विकास की रीढ़ बनता जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य भारत को आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है ताकि देश अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर सके और वैश्विक स्तर पर सशक्त भूमिका निभा सके। आत्मनिर्भर भारत केवल एक योजना नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के आत्मविश्वास और परिश्रम का प्रतीक है।

इन्होंने अभियान में लिया भाग

जिला मीडिया प्रभारी पंकज भारद्वाज ने बताया इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, दीपक हुड्डा, उदयभान मलिक, नवीन ढुल, जिला महामंत्री अभिनंदन भारद्वाज, कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष सुखबीर चंदेलिया, राजू सहगल, रमेश बोहर, एडवोकेट शिव परमार, अंकुश, डिंपल जैन, ईश्वर सिंगल, कर्नल राजेंद्र सिंह सुहाग, उषा शर्मा, निर्मल सिक्का, संगीता सिंगला, एडवोकेट संदीप जांगड़ा, शमशेर कलिंगा, दीपू नागपाल, नौरतमल भटनागर, मन्नू कुंडू, कुलवीर नरवाल, राकेश कलसन, रॉकी सहगल, शीशपाल चौहान आदि वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांघी गांव में निशुल्क फिजियोथेरेपी कैंप आयोजित

रोहतक। मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की ओर से रविवार को सांघी गांव स्थित बीपी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर में निशुल्क फिजियोथेरेपी कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में गांव व आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और हड्डी व जोड़ों से जुड़ी समस्याओं की जांच करवाई। इस दौरान कुल 54 मरीजों ने कैंप का लाभ उठाया। कैंप में डॉक्टर अरमान और डॉक्टर मनोज ने मरीजों की विस्तार से जांच की। जांच के बाद कई मरीजों का मौके पर ही उपचार किया गया, जबकि कुछ को उनकी समस्या के अनुसार विशेष एक्सरसाइज बताई गई। डॉक्टरों ने बताया कि नियमित व्यायाम और सही फिजियोथेरेपी से जोड़ों, कमर और मांसपेशियों के दर्द में काफी राहत मिल सकती है।